Dainik Bhaskar (Indore), 29th May 2026, Page – 05

निर्णय • आईआईटी इंदौर, दिल्ली, मुंबई और भुवनेश्वर के साथ किया समझौता

लंगड़ा और जेड आकार ब्रिज से सबक : पीडब्ल्यूडी के अब जो भी ब्रिज बनेंगे, डिजाइन आईआईटी जांचेगा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

रेती मंडी में आरओबी के नाम पर बना लंगड़ा ब्रिज और पोलोग्राउंड के जेड आकार ब्रिज से सबक लेकर तय किया गया है कि लोक निर्माण विभाग के आगामी जितने भी प्रोजेक्ट होंगे, उनकी सभी डिजाइन की जांच आईआईटी से करवाई जाएगी। एलआईजी से नौलखा के बीच बन रहे एलिवेटेड कॉरिडोर की डिजाइन भी इसमें शामिल है।

एलिवेटेड कॉरिडोर पर प्रस्तावित रोटरी, भुजाओं और अन्य तकनीकी बारीकियों को भी आईआईटी की टीम जांच परख रही है। आईआईटी इंदौर को ये फाइल हाल ही में हैंडओवर हुई है। प्रदेश स्तर पर अन्य प्रस्तावित प्रोजेक्ट की प्रूफ चेकिंग भी अलग-अलग आईआईटी से करवाई जाएगी। विभाग अब तक चार आईआईटी के साथ अनुबंध कर चुका है। इनमें आईआईटी दिल्ली, मुंबई, भुवनेश्वर और इंदौर शामिल हैं।

ये चारों आईआईटी मप्र के अलग-अलग फ्लायओवर और ब्रिज की शुरुआती प्लानिंग बनाएंगे। इसमें बताएंगे कि आरओबी और फ्लायओवर की लंबाई और चौड़ाई कितनी होना चाहिए। इससे पहले प्रत्येक स्वीकृत प्रोजेक्ट का सर्वे करेंगे और फिर रिपोर्ट बनाकर विभाग को सौंपेंगे। विभाग इसके बाद बाकी प्रक्रिया करेगा।

किस आईआईटी को मिला कौन सा प्रोजेक्ट

▪ **भुवनेश्वर आईआईटी** : भोपाल के 90 डिग्री वाले ऐशबाग आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) के बिगड़े डिजाइन को सुधारने का जिम्मा भुवनेश्वर आईआईटी को दिया गया है। भुवनेश्वर आईआईटी इस आरओबी के कर्व की प्लानिंग पर काम शुरू कर चुका है। अगले महीने तक रिपोर्ट आ जाएगी। इसके बाद इसके डिजाइन में सुधार शुरू होगा।

▪ **दिल्ली आईआईटी** : रीवा के एक प्रोजेक्ट और जबलपुर के एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए सर्वे कर रहे हैं। करीब 500 करोड़ रु. लागत वाले इन तीनों प्रोजेक्ट का पहला सर्वे हो चुका है और कुछ काम बाकी है। अब इनकी रिपोर्ट तैयार हो रही है। रिपोर्ट आने के बाद इनका काम शुरू हो जाएगा।

▪ **मुंबई आईआईटी** : इटारसी के सांवलखेड़ा में बन रहे आरओबी पर आईआईटी की टीम विशेषज्ञों के साथ मिलकर तकनीकी खामी दूर करने पर काम कर रही है। इस रूट और टर्निंग (विशेष रूप से पास के जुझारपुर/ सांवलखेड़ा बेल्ट) पर टर्निंग बहुत शॉर्प यानी 90 डिग्री है। इसके चलते बड़े वाहन, बसें और भारी ट्राले मुड़ते समय फंस जाते हैं। इस दोषपूर्ण इंजीनियरिंग के कारण अकसर दिन में कई बार भारी जाम की स्थिति बनती है। सर्वे रिपोर्ट के बाद इसमें सुधार किया जाएगा।